दैनिक जागरण (Dainik Jagran)

दिनाँक (Dated): 23/7/2023	पृष्ठ सं0 (Page No). 4	क्रम सं0(Serial No.) 07

हवाई अड्डों की केंद्रीकृत सुरक्षा निगरानी को एएससीसी शुरू

जागरण संवाददाता, दक्षिणी दिल्ली: महिपालपुर स्थित सीआइएसएफ परिसर में शनिवार को नवस्थापित विमानन सुरक्षा नियंत्रण केंद्र (एएससीसी) का केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर आसूचना (इंटेलिजेंस) ब्यूरो के निदेशक तपन कुमार डेका और नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो के महानिदेशक जुल्फिकार हसन समेत अन्य लोग भी मौजूद रहे। सीआइएसएफ को सर्वप्रथम फरवरी 2000 में हवाई अड्डों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। दो दशक बाद सीआइएसएफ देशभर में स्थित 134 परिचालन हवाई अड्डों में से 66 हवाई अड्डों को सुरक्षा दे रहा है। इनमें दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, जम्मू, श्रीनगर, अमृतसर जैसे देश के व्यस्ततम और अतिसंवेदनशील हवाई अड्डे शामिल हैं।

दरअसल, सुरक्षा व्यवस्थाओं की निगरानी और संसाधनों के उपयोग की रियल टाइम जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रत्येक हवाई अड्डे पर एक सुरक्षा परिचालन नियंत्रण केंद्र (एसओसीसी) स्थापित किया गया है। ये एसओसीसी 24 घंटे-सातों दिन, सामान्य एवं आकस्मिक परिस्थितियों में संबंधित हवाई अड्डे की महत्वपूर्ण जानकारियां संग्रह करने और जानकारी को संबंधित तक पहुंचाने के लिए नोडल केंद्र के रूप में कार्य करते हैं। समय के साथ हवाई यातायात और यात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि, वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य, हवाई अड्डों पर बढ़ते खतरों और देशभर में हवाई अड्डों के भौगोलिक विस्तार को ध्यान में रखते हुए हवाई अड्डों में घटने वाली घटनाओं की केंद्रीकृत निगरानी और आकस्मिकताओं का निस्तारण वास्तविक समय में किए जाने के लिए इसकी शुरुआत की गई है। सीआइएसएफ ने डेटा सेंटर, आर एंड डी लैब और वार रूम जैसी प्रौद्योगिकियों से लैस अत्याधुनिक केंद्रीकृत विमानन सुरक्षा नियंत्रण केंद्र स्थापित किया है, जो सभी 66 हवाई अड्डों के एसओसीसी के साथ जुड़ा हुआ है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का स्वागत करते सीआइएसफ के अधिकारी ● एएनआइ

66 हवाई अड्डों के एसओसीसी के साथ जुड़कर उनकी सुरक्षा व्यवस्थाओं की निगरानी करेगा एएससीसी

- केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने महिपालपुर स्थित विमानन सुरक्षा नियंत्रण केंद्र का किया उद्घाटन
- डेटा सेंटर, आर एंड डी लैब और वार रूम जैसी प्रौद्योगिकियों से लैस है केंद्रीकृत विमानन सुरक्षा नियंत्रण केंद्र

विमानन सुरक्षा नियंत्रण केंद्र की ये होंगी मुख्य विशेषताएं

- **यात्रियों और हवाई यातायात के डेटा की 24 घंटे सातों दिन निगरानी और प्रचलन विश्लेषण:** इससे किसी निश्चित समय पर यात्रियों की संख्या के बारे में सही जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। साथ ही बम की धमकी वाली काल, अतिविशिष्ट व्यक्तियों का आवागमन, प्रमुख घटनाएं, यात्रियों की सुरक्षा जांच में लगने वाला समय, सुरक्षा उपकरणों का उपयोग, पंक्ति प्रबंधन प्रणाली आदि की जानकारी जुटाई जाएगी।
- **घटना और आकस्मिकता प्रबंध:** सभी 66 हवाई अड्डे अब वीपीएन और आइपी टेलीफोनिक प्रणाली से जुड़े हैं और किसी भी आकस्मिक घटना के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जानकारी को तत्काल प्राप्त किया जा सकता है।
- उच्च स्तर पर निर्णय लेने की प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए वास्तविक समय में डेटा का विश्लेषण।
- दुनिया भर में उपलब्ध उन्नत और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित विमानन सुरक्षा उपकरणों पर अनुसंधान। विभिन्न उपकरणों का तुलनात्मक विश्लेषण और भारतीय हवाई अड्डों पर इसकी उपयुक्तता।
- लोकप्रिय इंटरनेट मीडिया साइटों पर निगरानी रख वहां से प्राप्त जानकारी (फीडबैक) का विश्लेषण।